सैंसेक्स 73885.60 ▼		सोना	74900
पिछला 74502.90	अंतर 617.30		
निफ्टी 22488.65 ▼		चांदी	97500
पिछला 22704.70	अंतर 216.05		

विनिमय दरें

यूरो	90.12	अमरीका	83.31
पाऊंड	105.92	आस्ट्रेलिया	55.17
		कनाडा	60.77

बैंकों, कंपनियों की स्वस्थ बैलेंस शीट के दम पर जीडीपी वृद्धि मजबूत : आरबीआई

सवेरा न्यूज/एजैंसी

मुंबई, 30 मई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि मजबूत निवेश मांग के दम पर भारत की जीडीपी वृद्धि मजबूत बनी है। इसे बैंकों तथा कॉर्पोरेट जगत की स्वस्थ बैलेंस शीट, पूंजीगत व्यय पर सरकार के ध्यान देने और विवेकपूर्ण मौद्रिक, नियामक तथा राजकोषीय नीतियों से समर्थन मिला है। रिजर्व बैंक की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था प्रतिकूल वैश्विक समष्टि आर्थिक और वित्तीय परिवेश से जूझ रही है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था, व्यापक आर्थिक तथा वित्तीय स्थिरता के परिदृश्य में अगले दशक में वृद्धि की गति को तेज करने की अच्छी स्थिति में है। इसमें कहा गया, 'कुल (हैडलाइन) मुद्रास्फीति के निर्धारित स्तर की ओर बढ़ने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी। बा' क्षेत्र की मजबूती और विदेशी मुद्रा भंडार घरेलू आर्थिक गतिविधियों को वैश्विक प्रभावों से बचाएंगे।' रिपोर्ट में कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, भू-आर्थिक विखंडन, वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव और अनिश्चित मौसम संबंधी घटनाक्रम वृद्धि के कम होने और मुद्रास्फीति के बढ़ने का जोखिम उत्पन्न करती है।

रिजर्व बैंक का बही-खाता 2023-24 में 11.08% बढ़ा

आरबीआई के बही-खाते का आकार मार्च 2024 तक 11.08 प्रतिशत बढ़कर 70.47 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यही वजह है कि केंद्रीय बैंक सरकार को अपना अबतक का सबसे ऊंचा लाभांश दे पाया है। कुल मिलाकर देखा जाए, तो मार्च 2023 की तुलना में मार्च 2024 तक केंद्रीय बैंक के बही-खाते का आकार 7,02,946.97 करोड़ रुपए बढ़ा है। मार्च 2023 तक यह 63.45 लाख करोड़ रुपए था। केंद्रीय बैंक की शुद्ध आय मार्च, 2024 के अंत तक 42,819.91 करोड़ रुपए का प्रावधान करने के बाद 2.11 लाख करोड़ रुपए रही। केंद्रीय बैंक का प्रावधान पिछले वित्त वर्ष में 1,30,875.75 करोड़ रुपए रहा था। प्रावधान की गई राशि आकस्मिकता निधि (सीएफ) में स्थानांतरित कर दी जाती है। वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध आय 87,420 करोड़ रुपए थी। 2022-23 की तरह समीक्षाधीन वित्त वर्ष में परिसंपत्ति विकास कोष (एडीएफ) के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। आरबीआई की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, बही-खाते में परिसंपत्ति पक्ष में बढ़ौतरी.. विदेशी निवेश, सोने तथा ऋण व अग्रिम में क्रमशः 13.90 प्रतिशत, 18.26 प्रतिशत और 30.05 प्रतिशत की वृद्धि के चलते संभव हुई। आरबीआई ने कहा कि 31 मार्च, 2024 तक घरेलू परिसंपत्तियां 23.31 प्रतिशत थीं। वहीं विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, सोना (भारत में जमा और मौजूद सोना सहित) और भारत के बाहर के वित्तीय संस्थानों को दिया गए ऋण का कुल परिसंपत्तियों में हिस्सा 31, मार्च, 2024 तक 76.69 प्रतिशत था। जबकि 31 मार्च, 2023 तक यह क्रमशः 26.08 प्रतिशत और 73.92 प्रतिशत थे।

जीडीपी वृद्धि दर 7% रहने का लगाया अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024 वित्त वर्ष) में मजबूत गति से विस्तार किया, जिससे वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.6 प्रतिशत हो गई। यह 2022-23 में 7.0 प्रतिशत थी। यह लगातार तीसरे वर्ष 7 प्रतिशत या उससे अधिक रही। आरबीआई ने कहा, '2024-25 के लिए वास्तविक (सकल घरेलू उत्पाद) जीडीपी वृद्धि 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जोखिम दोनों तरफ समान रूप से संतुलित होंगे।'

एमएसपी ने 2023-24 में उत्पादन लागत पर 50% का न्यूनतम मुनाफा कमाया

वित्त वर्ष 2023-24 के खरीफ और रबी दोनों मौसम में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) ने सभी फसलों के लिए उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया। आरबीआई की जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि 31 मार्च तक खाद्यान्नों का समग्र सार्वजनिक भंडारण कुल तिमाही भंडारण मानक का 2.9 गुना था। सरकार ने 29 नवंबर को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्यान्न के मुफ्त वितरण की योजना को एक जनवरी 2024 से 5 और वर्षों के लिए बढ़ा दिया था। समग्र एसडब्ल्यूएम वर्षा 2023 (जून-सितंबर) में अखिल भारतीय स्तर पर दीर्घावधि औसत (एलपीए) से 6 प्रतिशत कम हुई। दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 2023-24 में खरीफ और रबी खाद्यान्न का उत्पादन पिछले वर्ष के अंतिम अनुमानों से 1.3 प्रतिशत कम था। रिपोर्ट में कहा कि उत्पादकता में वृद्धि से मोटे अनाज के उत्पादन को लाभ हो सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में 5.3-10.4 प्रतिशत और रबी फसलों के लिए 2.0-7.1 प्रतिशत की वृद्धि की गई।

बैंकों में बिना दावे वाली जमा राशि 26% बढ़ी

बैंकों में बिना दावे वाली जमा राशि सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 31 मार्च 2024 के अंत तक 78,213 करोड़ रुपए हो गई। आरबीआई की जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 के अंत में जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष में राशि 62,225 करोड़ रुपए थी। सहकारी बैंकों सहित सभी बैंक, खाताधारकों की 10 या अधिक वर्षों से उनके खातों में पड़ी हुई दावा न की गई जमाराशियों को भारतीय रिजर्व बैंक के जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता (डीईए) कोष में स्थानांतरित करते हैं। आरबीआई ने खाताधारकों की सहायता के लिए तथा निष्क्रिय खातों पर मौजूदा अनुदेशों को समेकित तथा युक्तिसंगत बनाने के मकसद से इस वर्ष की शुरुआत में बैंकों द्वारा अपनाए जाने वाले उपायों पर व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए थे। इनमें खातों तथा जमाराशियों को निष्क्रिय खातों और बेदावाकृत जमाराशियों के रूप में वर्गीकृत करने के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया था।

दुनिया की 100 प्रभावशाली कंपनियों में रिलायंस समेत 3 भारतीय कंपनियां

सवेरा न्यूज

नई दिल्ली, 30 मई : मशहूर अमरीकी मैगजीन टाइम ने साल 2024 के लिए दुनिया की सबसे प्रभावशाली कंपनियों की लिस्ट जारी की है। टॉप 100 कंपनियों की लिस्ट में 3 भारतीय कंपनियों ने जगह बनाई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया और टाटा ग्रुप को टाइम की सबसे प्रभावशाली कंपनियों की टॉप 100 लिस्ट में जगह मिली है। इस लिस्ट को 5 कैटागरी में बांटा गया है। इसमें लीडर्स, डिसरप्टर्स, इनोवेटर्स, टाइटन्स और पायनियर्स शामिल हैं। रिलायंस और टाटा ग्रुप को टाइटन्स कैटागरी में स्थान मिला है। सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया को पायनियर्स कैटागरी के लिए चुना गया है। टाइम मैगजीन ने रिलायंस इंडस्ट्रीज को इंडियाज जगरनॉट की उपमा दी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज पर टाइम मैगजीन ने लिखा है कि कपड़ा और पॉलिएस्टर कंपनी के रूप में शुरू हुई रिलायंस आज एक विशाल और जीवंत बिजनैस ग्रुप है।

के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय ने करवाया स्टार्ट-अप ओडिसी उद्यमशीलता कार्यक्रम

सवेरा न्यूज/कास.

नई दिल्ली, 30 मई : के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैडीकल एंड अलाइड साइंसेज (एसएमएएस) ने हाल ही में स्टार्ट-अप ओडिसीः इंस्पायरिंग एंटरप्रैन्योरियल जर्नी विद केईआईसी नामक एक समृद्ध कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना और उन्हें स्टार्ट-अप और नवाचार की दुनिया में अंतर्दृष्टि प्रदान करना था। 24 मई कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्र ब्रांड और बिजनैस कोचिंग के पहल के संस्थापक अखिल चौधरी का मुख्य भाषण सत्र था। अखिल चौधरी ने अपनी प्रेरक उद्यमशीलता यात्रा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपने छात्र ब्रांड और बिजनैस कोचिंग उद्यम की स्थापना के दौरान व्यक्तिगत उपाख्यानों, चुनौतियों का सामना किया और सीखे गए सबक साझा किए।

एचडीएफसी मल्टी-एसैट फंड एक गतिशील विकल्प के रूप में उभरा

सवेरा न्यूज

मुंबई, 30 मई : निवेशक अक्सर हालिया पूर्वाग्रह, परिसंपत्ति वर्गों का पक्ष लेने की प्रवृत्ति का शिकार हो जाते हैं। बाजार की अप्रत्याशित प्रकृति और विभिन्नता को देखते आर्थिक चक्रों में परिसंपत्ति वर्गों का प्रदर्शन, बाजार को समयबद्ध करने का प्रयास चुनौतीपूर्ण है। इसलिए एचडीएफसी मल्टी-एसैट फंड एक गतिशील विकल्प के रूप में उभरा है, जो निवेशकों को एक विकल्प प्रदान करता है, वह मार्ग जिसका लक्ष्य संतुलित विकास और स्थिरता है। दीर्घकालिक पूंजी चाहने वालों के लिए तैयार किया गया और आय सृजन, एचडीएफसी मल्टी-एसैट फंड निवेश के लिए विभिन्न परिसंपित्त वर्गों में एक अवसर प्रस्तुत करता है। एचडीएफसी एएमसी के एमडी और सीईओ नवनीत मुनोत ने कहा कि आज हम जिस अस्थिर और अनिश्चित दुनिया में रह रहे हैं। सुदृढ़ वित्तीय योजना और परिसंपत्ति आवंटन एक निवेशक के सबसे अच्छे सहयोगी हैं।

एचपीसीएल ने देश का पहला सॉलिड ऑक्साइड आधारित इलैक्ट्रोलाइजर किया आरंभ

सवेरा न्यूज

नई दिल्ली, 20 मई : हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने ग्रीन हाइड्रोजन (जीएच-2) उत्पादन के लिए अपने एचपी हरित अनुसंधान एवं विकास केंद्र में भारत का पहला सॉलिड ऑक्साइड आधारित इलैक्ट्रोलाइजर (एसओई) आरंभ कर दिया है। ये अत्यधिक कुशल प्रायोगिक स्तर का इलैक्ट्रोलाइजर है जो 99.99% शुद्धता के साथ ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन कर सकता है तथा ग्रीन हाइड्रोजन और इससे संबंधित उत्पाद बनाने के लिए इस तकनीक के मूल्यांकन में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अपनी तरह की पहली एसओई प्रणाली है जो कैप्टिव सौर और पवन ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न बिजली का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन बनाती है, जिसमें 20 किलोवाट सॉलिड ऑक्साइड इलैक्ट्रोलाइजर स्टैक का उपयोग किया जाता है। आरंभ किए एसओईसी की खास बात यह है कि इलैक्ट्रोड/ इलैक्ट्रोलाइट्स के लिए दुर्लभ सामिग्रयों की आवश्यकता नहीं होती है। ये हाइड्रोजन बनाने के अन्य तरीकों की तुलना में लगभग 20-30% कम ऊर्जा का उपयोग करती है। इसका मतलब यह है कि भविष्य में हरित हाइड्रोजन बनाना अधिक किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर हो सकता है।

सैंसेक्स 617 अंक और टूटा

सवेरा न्यूज/एजैंसी

मुंबई, 30 मई : शेयर बाजारों में लगातार 5वें कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सैंसेक्स 617 अंक का गोता लगा गया। एनएसई निफ्टी भी 22,500 अंक के नीचे आ गया। वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटान के बीच मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया। 30 शेयरों पर आधारित सैंसेक्स 617.30 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,885.60 अंक पर बंद हुआ। प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से सूचकांक कारोबार के दौरान 73,668.73 अंक के निचले स्तर पर आ गया था। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 216.05 अंक टूटकर 22,488.65 अंक पर बंद हुआ।

स्पोर्ट्स

कोहली और रोहित के पास भारत को 13 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी दिलाने का अंतिम मौका

दोनों बल्लेबाजों ने पिछले 17 वर्षों में भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में काफी प्रभाव डाला

सवेरा न्यूज/एजैंसी

बेंगलूर, 30 मई : ऐसे 2 क्रिकेटर मिलना मुश्किल है जो एक-दूसरे से इतने अलग हों लेकिन फिर भी भाग्य के धागे से इतने करीब से जुड़े हों जैसे विराट कोहली और रोहित शर्मा। रोहित ने शीर्ष स्तर के क्रिकेट में शुरुआत 2007 में बेलफास्ट में की जबकि कोहली ने इससे एक साल बाद दांबुला में अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला। एक साथ चले इस सफर का एक और दिलचस्प अध्याय संभवतः अगले महीने कैरेबियाई द्वीपों में समाप्त हो जाएगा।

अगला टी-20 विश्व कप 2026 में है जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे लेकिन तब रोहित 40 बरस के होने वाले होंगे और कोहली 38 वर्ष के होंगे। एकदिवसीय (50 ओवर) प्रारूप का विश्व कप इसके एक और साल बाद होगा। खेल की स्ट्राइक रेट से जुड़ी प्रकृति में लगातार इजाफा हो रहा है और इसे देखते हुए इन दोनों को इनमें से किसी में भी खेलते हुए देखना मुश्किल है। इसलिए रोहित और कोहली दोनों अगले महीने विजेता का पदक अपने गले में लटकाए मंच से विदा लेना चाहेंगे, अगर वे ऐसा कर पाते हैं तो यह 2007 टी-20 विश्व कप (रोहित) और 2011 में 50 ओवर के विश्व कप (कोहली) के बाद उनका दूसरा विश्व खिताब होगा और यह उन 2 खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन विदाई होगी जिन्होंने पिछले 17 वर्षों में भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में काफी प्रभाव डाला। कोहली ने 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस' में कहा था, 'मैं एक खिलाड़ी के बारे में उत्सुकता से भरा हुआ था। लोग कहते रहते थे-'यह एक ऐसा खिलाड़ी है जो तेजी से आगे बढ़ रहा है'। मुझे आश्चर्य होता था कि मैं भी एक युवा खिलाड़ी हूं लेकिन कोई मेरे बारे में बात नहीं करता, फिर यह खिलाड़ी कौन है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन जब वह (रोहित) बल्लेबाजी करने के लिए आया तो मैं चुप था। उसे खेलते हुए देखना अद्भुत था। वास्तव में मैंने उनसे बेहतर किसी खिलाड़ी को गेंद को टाइम करते नहीं देखा।' दोनों बल्लेबाजों में कोहली सभी प्रारूपों के अधिक अनुकूल बल्लेबाज हैं जिन्होंने खेल के बदलते स्वरूप के साथ अधिक सहजता से अनुकूलन किया है। उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में हर जगह रन बनाए हैं जो सचिन तेंदुलकर के सुनहरे दिनों के बाद शायद ही कभी देखा गया हो।

दोनों बैटर्स ने करियर में की प्रगति

रोहित ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अलग पहचान बनाई लेकिन मुंबई का यह बल्लेबाज करियर में अधिकांश समय टैस्ट क्रिकेट में वह सफलता हासिल नहीं कर पाया। करियर के दूसरे हॉफ में सलामी बल्लेबाज की भूमिका में हालांकि रोहित ने टैस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया। अभी के लिए कोहली और रोहित को टी-20 विश्व कप में भारत के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रारूप में विशाल अनुभव पर निर्भर रहना होगा। रोहित में बड़े शॉट खेलने की क्षमता है जिससे उन्हें मदद मिलेगी। उनका एक पैर पर वजन डालकर पुल शॉट खेलना किसी को भी आकर्षित कर सकता है, लेकिन कोहली का खेल थोड़ा अलग है। वह कभी-कभार बड़ी हिट लगा सकते हैं लेकिन उन्हें अक्सर स्पिन के खिलाफ जूझना पड़ता है, विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ। टी-20 में धीमे गेंदबाजों के खिलाफ उनका करियर स्ट्राइक रेट 120 के आसपास रहता है। कई बार इसने बीच के ओवरों में उनकी प्रगति में बाधा डाली लेकिन इस साल के आईपीएल के दौरान उन्हें इसका समाधान मिल गया। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ स्लॉग स्वीप का इस्तेमाल किया। इसका उनके स्ट्राइक रेट पर अच्छा असर पड़ा क्योंकि कोहली ने 188 गेंदों पर 260 रन बनाए और स्पिनरों के खिलाफ 15 छक्के लगाए। स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 139 तक पहुंच गया जो उनके आईपीएल के 124 के समग्र स्ट्राइक रेट से काफी बेहतर है।

सार संक्षेप

डिज्नी स्टार ने टी-20 विश्व कप के लिए 19 प्रायोजकों को किया शामिल

सवेरा न्यूज/एजैंसी

मुंबई, 30 मई : डिज्नी स्टार ने 2 जून से अमरीका और वैस्ट इंडीज में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2024 के लिए 19 प्रायोजकों को शामिल किया है। टी-20 विश्व कप के मैच का प्रसारण डिज्नी स्टार नैटवर्क पर किया जाएगा और मोबाइल पर इन्हें डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा। इन प्रायोजकों की सूची में ड्रीम इलैवन, मारुति, एएमएफआई, पार्ले, बीपीसीएल, हेयर, आईसीसी बैंक, जॉकी, केपी ग्रुप, रिलायंस रिटेल, सैमसंग इंडिया, हाऊसिंग डॉट कॉम, जगुआर ग्रुप, केंट आरओ और विमल भी शामिल हैं।

नीलाम होगी माराडोना की विश्व कप गोल्डन बॉल ट्रॉफी

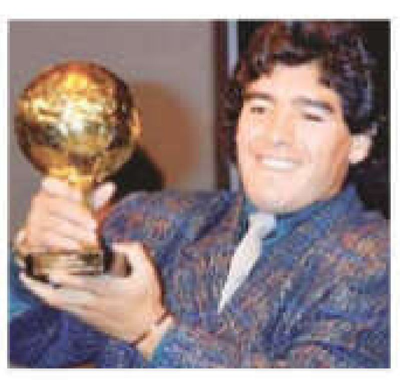

सवेरा न्यूज/एजैंसी

पैरिस, 30 मई : दिग्गज फुटबॉलर डिएगो माराडोना की विश्व कप 1986 में जीती गई गोल्डन बॉल ट्रॉफी नीलाम की जाएगी। फ्रांस की एक अदालत ने माराडोना के वारिसों के विरोध के बावजूद इस ट्रॉफी को नीलाम करने का आदेश दे दिया है। माराडोना को विश्व कप 1986 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था जिसके लिए उनको गोल्डन बॉल ट्रॉफी मिली थी। इस स्टार खिलाड़ी के परिजनों ने इस नीलामी को रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले से जुड़े वकील गिल्स मोरेउ ने बताया कि अदालत का फैसला माराडोना के वारिसों के पक्ष में नहीं रहा। इसका मतलब है कि इस ट्रॉफी की अगले वीरवार को पैरिस में नीलामी की जाएगी। यह गोल्डन बॉल ट्रॉफी वर्षों तक गायब रही और कुछ साल पहले ही इसका पता चल पाया था।

मैस्सी के गोल के बावजूद इंटर मियामी हारा

सवेरा न्यूज/एजैंसी

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा), 30 मई : लियोनल मैस्सी के गोल के बावजूद इंटर मियामी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में अटलांटा यूनाइटिड के खिलाफ बुधवार रात 3-1 से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम का 10 मैच का अजेय अभियान भी थम गया। इंटर मियामी की ओर से मैस्सी के अलावा कोई अन्य खिलाड़ी गोल नहीं कर सका। अटलांटा यूनाइटिड की तरफ से साबा लोबजानिद्जे से 2 जबकि जमाल थियरे ने एक गोल किया। इस जीत के साथ अटलांटा यूनाइटिड का एमएलएस में 9 मैच से जीत का इंतजार भी खत्म हो गया।

विराट मानसिक रूप से बहुत मजबूत है : वॉटसन

सवेरा न्यूज/एजैंसी

शेन वॉटसन

नई दिल्ली, 30 मई : एक खिलाड़ी के जीवन में उसका मानसिक रूप से मजबूत रहना काफी महत्वपूर्ण है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराऊंडर शेन वॉटसन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और एमएस धोनी उनकी नजर में मानसिक रूप से सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं। हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स इंडिया द्वारा लॉन्च की गई अपनी नई किताब 'द विनर्स माइंडसैट' के मौके पर साक्षात्कार में वॉटसन ने कहा, 'एक विराट कोहली हैं, जो मानसिक रूप से बहुत मजबूत हैं। वह पूरी तरह से समझते हैं कि खुद का सर्वश्रेष्ठ कैसे लाया जाए, लगभग हर मैच में वह जो तीव्रता लाते हैं, वह सराहनीय है।' वास्तव में ऐसे कुछ ही अन्य लोग हैं जिनके साथ मैंने खेला है या जिनके खिलाफ खेला है, जिनके पास हर मैच के हर पल में लगातार तीव्रता थी। इसलिए विराट के बारे में यह कुछ ऐसा है, जिसे हमने इस आईपीएल में देखा है, कि वह कितने व्यस्त हैं।

त्रिसा-गायत्री ने दूसरी रैंकिंग वाली जोड़ी को हराया

2018 से सिंधु की मारिन के खिलाफ लगातार छठी हार से टूर्नामैंट में सफर समाप्त

सवेरा न्यूज/एजैंसी

सिंगापुर, 30 मई : पीवी सिंधु को अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन के खिलाफ सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के प्री क्वार्टर फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा, जबकि त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने दुनिया की दूसरे नंबर की दक्षिण कोरियाई टीम बाएक हा ना और ली सो ही को हराकर अंतिम 8 में जगह बनाई।

पिछले सप्ताह थाईलैंड ओपन में उपविजेता रही 2 बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने 1 घंटे आठ मिनट तक चला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 का प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला 21-13, 11-20, 20- 22 से गंवाया। यह 2018 से सिंधु की मारिन के खिलाफ लगातार छठी हार थी। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा और गायत्री ने बाएक और ली को 21-9, 14-21, 21-15 से हराया। अब उनका सामना दक्षिण कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त किम सो योंग और कोंग ही योंग की जोड़ी से होगा।

dainik-savera.wl6-demo.readwhere.com